

Dr. Kumari priyanka

History department

Notes for pg semester 1

कथात्मक इतिहास (Narrative History) का संक्षिप्त वर्णन करें।

अर्थ:

कथात्मक इतिहास लेखन की वह विधा है जिसमें अतीत की घटनाओं, व्यक्तियों, संघर्षों और परिस्थितियों का क्रमवार (chronological) वर्णन किया जाता है। इसमें इतिहास को एक कथा या कहानी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, ताकि घटनाओं का क्रम और उनका आपसी संबंध स्पष्ट हो सके। यह इतिहास की सबसे पुरानी और पारंपरिक शैली मानी जाती है।

मुख्य विशेषताएँ:

1. घटनाओं का कालक्रमानुसार वर्णन:

कथात्मक इतिहास में घटनाओं को उनके घटित होने के क्रम में प्रस्तुत किया जाता है। इससे पाठक को समय के साथ इतिहास की गति का पता चलता है।

2. व्यक्तिगत दृष्टिकोण का प्रभाव:

इस शैली में इतिहास लेखक प्रायः राजाओं, नायकों, युद्धों और राजनीतिक घटनाओं पर केंद्रित रहता है। परिणामस्वरूप सामाजिक और आर्थिक पहलू गौण रह जाते हैं।

3. साहित्यिक शैली और रोचकता:

भाषा और प्रस्तुति में साहित्यिक सौंदर्य होता है। इसे इस प्रकार लिखा जाता है कि पाठक को घटनाएँ जीवंत और आकर्षक लगें।

4. तथ्य प्रधानता:

इसमें इतिहास के तथ्यों का वर्णन तो किया जाता है, परंतु उनके कारणों और परिणामों का विश्लेषण बहुत कम होता है।

5. जन-सुलभता:

इसकी शैली सामान्य पाठकों के लिए सरल और समझने योग्य होती है, इसलिए यह शिक्षाप्रद और मनोरंजक दोनों होती है।

सीमाएँ:

1. विश्लेषण की कमी:

कथात्मक इतिहास में घटनाओं का वर्णन होता है, लेकिन उनके गहरे कारणों का वैज्ञानिक या आलोचनात्मक विश्लेषण नहीं किया जाता।

2. पक्षपात की संभावना:

लेखक कभी-कभी किसी राजा या नायक के पक्ष में झुकाव दिखाता है, जिससे वस्तुनिष्ठता (objectivity) प्रभावित होती है।

3. सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं की उपेक्षा:

इसमें राजनीति और युद्धों पर अधिक बल होता है, जबकि सामान्य जनजीवन, संस्कृति, अर्थव्यवस्था आदि पर कम ध्यान दिया जाता है।

4. दृष्टिकोण की सीमितता:

यह इतिहास का समग्र चित्र प्रस्तुत नहीं करता, बल्कि केवल वर्णनात्मक पक्ष को प्रमुखता देता है।

उदाहरण:

- *राजतरंगिणी*- कल्हण द्वारा रचित कश्मीर का इतिहास (12वीं शताब्दी)
- *तुजुक-ए-बाबरी*- बाबर द्वारा आत्मकथात्मक रूप में लिखा गया विवरण
- *आइने अकबरी*- अबुल फज़ल द्वारा अकबर के शासन का विस्तृत वर्णन
- *राजतरंगिणी, इतिहास-ए-फिरोजशाही, और तबकात-ए-नासिरी* भी कथात्मक शैली के उदाहरण हैं।

निष्कर्ष:

कथात्मक इतिहास लेखन की प्रारंभिक और लोकप्रिय शैली रही है, जिसने अतीत की घटनाओं को संरक्षित और पीढ़ी-दर-पीढ़ी संप्रेषित किया। यद्यपि इसमें विश्लेषणात्मक गहराई की कमी थी, फिर भी यह इतिहास को कहानी के रूप में जनसामान्य तक पहुँचाने का सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हुआ। आधुनिक काल में इतिहास लेखन में कथात्मकता के साथ-साथ वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण को भी जोड़ा गया है, जिससे इतिहास अधिक समग्र और वस्तुनिष्ठ बन सका।

क्या आप चाहें कि मैं "कथात्मक और विश्लेषणात्मक इतिहास के बीच अंतर" की एक सारणी (table form) में तुलना भी जोड़ दूँ ताकि यह नोट परीक्षा दृष्टि से और उपयोगी हो जाए?